

दैनिक



www.currentcrime.com

करंट क्राइम

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ सच...

● नई दिल्ली | शुक्रवार 13 फरवरी - 2026

● वर्ष : 11 अंक : 55 पेज - 08

● RNI NO. DELHIN/2015/65364

● मूल्य : ₹3



प्रशांत चौधरी
पूर्व विधायक एवं सदस्य प्रदेश कार्यसमिति

रक्षा मंत्री राजनाथ की अध्यक्षता में हुई बैठक में नए राफेल जेट्स खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली, करंट क्राइम। भारतीय वायुसेना की ताकत में इजाफा होने जा रहा है। और इसके लिए मोदी सरकार ने फ्रांस से नए राफेल जेट्स की खरीद को मंजूरी दे दी है। पूरी दुनिया ने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान फाइटर जेट राफेल का दम देखा था कि कैसे भारत ने पाकिस्तान पर एयर डॉमिनंस बनाए रखा था। और पलक झपकते ही पाकिस्तान का नूर खान समेत तमाम एयरबेस पर अटक किया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में नए राफेल जेट्स की खरीद को मंजूरी दी गई है।

रक्षा अधिग्रहण परिषद ने प्रमुख उच्च-मूल्य रक्षा खरीद के लिए मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सशस्त्र सेनाओं के अलग-अलग प्रस्तावों के लिए करीब 3.60 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित कीमत की मंजूरी दी गई। फ्रांस से राफेल वाली डील के लिए लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये की डील को मंजूरी मिली है। इसमें 2.5 लाख करोड़

आसमान में बढ़ेगी भारत की धाक! मिल गई नए राफेल सौदे को मंजूरी



रुपये, 114 राफेल लड़ाकू विमानों के लिए और शेष राशि हथियारों, पुर्जों और सहायक पैकेजों के लिए है। खरीदे जाने वाले ज्यादा एमआरएफए राफेल विमानों का निर्माण भारत में होगा। कॉन्वैट मिसाइलें स्टैंड-ऑफ ग्राउंड अटैक क्षमता को गहरी मारक ताकत और अत्यधिक सटीकता के साथ मजबूत करने वाली हैं। वहीं, एएस-एचएपीएस का इस्तेमाल सैन्य उद्देश्यों के लिए लगातार ईटिलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनसिंस, इलेक्ट्रॉनिक ईटिलिजेंस, दूरसंचार और

रिमोट सेंसिंग के लिए होगा। भारतीय थल सेना के लिए ह्यविभवह्व एंटी-टैंक माइंस की खरीदारी और टैंकों और इन्फैंट्री कॉन्वैट व्हीकल्स यानी के वाहन प्लेटफॉर्म के ओवरहाल को मंजूरी मिली। ह्यविभवह्व माइंस को दुश्मन की मैकेनाइज्ड फोर्सों को प्रोप्रेस को धीमा करने के लिए बिछाया जाएगा। वहीं टी-72 टैंक ओवरहाल से उपकरणों की सर्विस आयु बढ़ेगी।

भारतीय नौसेना के लिए 4 मेगावाट मरीन गैस टर्बाइन वेस्ट

इलेक्ट्रिक पावर जनरेटर और लंबी दूरी के समुद्री टोही विमान पी8आई को मंजूरी मिल गई है।

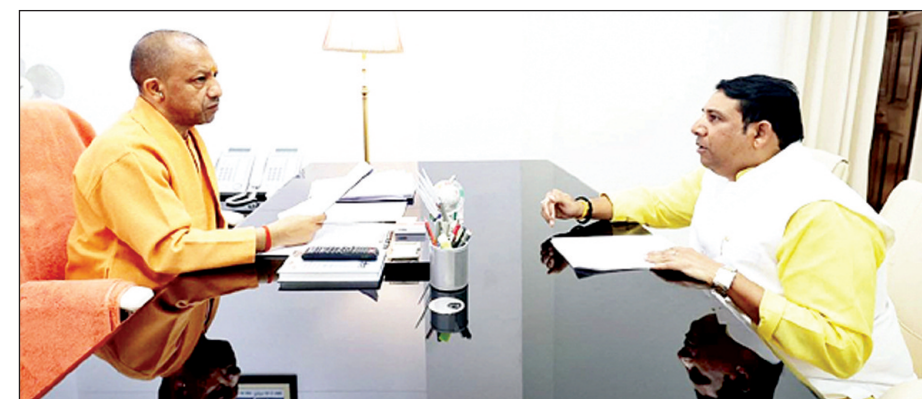
इलेक्ट्रिक पावर जनरेटर की स्वदेशी खरीद से हमारी विदेशी निमाताओं पर निर्भरता घटेगी और नेवी की बिजली उत्पादन जरूरतों में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित होगी। वहीं, पी8आई विमान की खरीदारी से नेवी की लंबी दूरी की एंटी-सबमरीन वॉरफेयर, समुद्री निगरानी और समुद्री स्ट्राइक क्षमता में बढ़ोतरी होगी।

भारत ने फ्रांस से 36 राफेल विमानों को खरीदा था, जिसकी डिलीवरी दिसंबर, 2024 में पूरी हो गई थी। ये लड़ाकू विमान आईएएफ के 2 स्क्वाड्रों- अंबाला में 'गोल्डन मिली' और हाशिमारा में 'फाल्कन्स' में हैं। राफेल में घातक हथियार प्रणाली होती है। यह मिसाइल से लैस है जो हवा से हवा में मार करने वाली विश्व की सबसे उन्नत मिसाइलों में से एक है। इसकी रेंज 100 किलोमीटर से ज्यादा है।

शहर विधायक संजीव शर्मा ने मुख्यमंत्री से मिलकर मांग लिया शहर के लिए गिफ्ट 15 मिनट की मुलाकात में 132 करोड़ की लागत से अब बनेगी सड़क और होगा नालों का निर्माण



गाजियाबाद, करंट क्राइम। विकास का विजन हो, विकास का प्लान हो तो फिर विधानसभा में इसका असर दिखाई देता है। शहर विधानसभा की बात करें तो यहाँ संजीव शर्मा ने



उपचुनाव में विधायक बनने के बाद से जबरदस्त पारी खेली है। वो लगातार क्षेत्र में जनसमस्याओं के समाधान के लिए कदम उठा रहे हैं। वो प्रवास करते हैं और उनके प्रवास सफल हो रहे हैं। शहर विधायक संजीव शर्मा अपने क्षेत्र के विकास के लिए एक प्रस्ताव लेकर गये और उन्होंने जब मुख्यमंत्री से

मिलकर क्षेत्र के विकास के लिए यह गिफ्ट मांगा तो इस पर तत्काल ही मुख्यमंत्री ने स्वीकृति दी। अब 132 करोड़ रुपये की लागत से क्रासिंग रिपब्लिक एरिया और शाहबेरी के बीच की सड़क का निर्माण होगा। बरसाती नालों का पुर्ननिर्माण होगा। ये एक ऐसा प्रोजेक्ट है जिसके

बाद यहाँ जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। बड़ी बात है कि शहर विधायक संजीव शर्मा अपने क्षेत्र के लिए ये बड़ा प्रोजेक्ट पास कराकर लाये हैं। उन्होंने 15 मिनट की मुलाकात में केवल अपने क्षेत्र के विकास, सुधार की बात रखी और विधायक के विकास का ये विजन मुख्यमंत्री को पसंद आया।

झूठ बोलकर देश को गुमराह कर रहे हैं राहुल गांधी : अतुल गर्ग



गाजियाबाद, करंट क्राइम। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों सत्ताधारी दल पर लगातार हमला बोल रहे हैं। वो बेहद मुखर अंदाज में लोकसभा में हैं और कई खुलाशों के बाद वो अब सत्ताधारी दल को घेर रहे हैं। राहुल गांधी की बातों को लेकर संसद में भाजपा के सांसद क्या रणनीति बना रहे हैं। वो राहुल गांधी के बयानों को लेकर कैसा सोचते हैं। उनका क्या

'वो बताएं दोस्त गदार है या गदार उनका दोस्त है'

मानना है। इन सब सवालों को लेकर दैनिक करंट क्राइम ने गाजियाबाद के लोकसभा सांसद अतुल गर्ग से बात की। अतुल गर्ग लोकसभा सदन के वही सांसद हैं जिन्होंने संसद के पहले दिन ही अपनी शैली से पूरे सदन का ध्यान आकृष्ट किया था। वो एक ऐसे सांसद हैं जो देश की राष्ट्रपति के साथ तीन देशों की शासकीय यात्रा कर चुके हैं। वो उस प्रतिनिधि मंडल का हिस्सा रहे हैं जो विदेशों में देश का पक्ष रखने के लिए गया था।

वो बात को बेहद सजीवा तरीके से रखने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में जो कुछ देश की राजनीति में चल रहा

है उसे लेकर उनके बयान की भी अपनी एक महत्ता है। सांसद अतुल गर्ग ने यहाँ राहुल गांधी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और बेहतर रहता कि वो तर्कपूर्ण तरीके से बात करते। लेकिन वो झूठे इल्जाम लगाकर अर्थहीन बात करते हैं।

सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि वो इस बात की तुलना क्यों नहीं करते कि उनकी सरकारों के कार्यकाल में कितना बजट था और मोदी सरकार के कार्यकाल में कितना बजट बढ़ा है। उनके कार्यकाल में कितनी सड़कें बनीं। कितनी बुनियादी सुविधाएँ बड़ी।

सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि कोई भी काम वो तुलनात्मक तरीके से करें और बतायें। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि राहुल गांधी सिर्फ भड़काने का काम कर रहे हैं। वो झूठ बोलकर देश की जनता को भड़काने की राजनीति करते हैं। ट्रेड डील को लेकर सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि राहुल गांधी यह भ्रम फैला रहे हैं कि इससे देश का किसान मर जायेगा। लेकिन वो ये क्यों नहीं बता रहे हैं कि किसान कैसे मर जायेगा और क्या नुकसान होगा।

सांसद अतुल गर्ग ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी ये चाहते हैं कि देश में बांग्लादेश की तरह दंगे हो जायें। वो जनता को गुमराह कर रहे हैं। वो झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी के गदार वाले वक्तव्य पर उन्होंने से पूछा है कि बेहतर होता कि राहुल गांधी ये बताते कि वो एक गदार को अपना दोस्त कहते हैं या फिर एक दोस्त को वो गदार बता रहे हैं।

पूरी तैयारी के साथ विधायक पहुंचे थे प्रस्ताव लेकर लखनऊ

करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा ने इस प्रस्ताव के लिए पूरी तैयारी की। दैनिक करंट क्राइम से बातचीत में उन्होंने बताया कि जब उन्होंने चीफ इंजीनियर से मुलाकात की थी तो उन्हें यह बताया गया था कि यह 100 करोड़ से अधिक का प्रोजेक्ट है और इसके लिए शासन को सारे कामज दिखाने होंगे। संजीव शर्मा ने बताया कि मैंने उसी समय मन में ठान लिया था और मैंने सभी दस्तावेज इकट्ठे किये। अखबारों की कटिंग लगाई, जो जो कामज चाहिए थे वो सभी तैयार करायें और मैंने शहर विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रस्ताव को पास करने के लिए सभी तैयारियाँ कर ली थी। जब मैंने मुख्यमंत्री से मुलाकात की तो मेरे पास पूरी फाईल तैयार थी और कहीं कोई कन्फ्यूजन नहीं था। मैंने ये पूरी फाईल रखी और बताया कि यह प्रस्ताव आ चुका है। इसमें इतना काम हो चुका है और अब आपकी फाईलन मुहर लगनी है और फिर मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकृति दी। मैं इसके लिए मुख्यमंत्री का अमर व्यक्त करता हूँ।

मुख्यमंत्री ने गठित की है इसके लिए एक विशेष कमेटी

करंट क्राइम। क्रासिंग रिपब्लिक से लेकर शाहबेरी तक सड़क और बरसाती नालों के निर्माण को लेकर मुख्यमंत्री की स्वीकृति मिल गई है। संजीव शर्मा के प्रयासों से अब इस पर काम शुरू हो जायेगा। मुख्यमंत्री ने इस प्रोजेक्ट को लेकर एक कमेटी गठित की है। इस कमेटी में दो चीफ इंजीनियर होंगे। जिनमें एक चीफ इंजीनियर और दूसरे चीफ इंजीनियर गाजियाबाद से होंगे। इसके अलावा एक अन्य सदस्य रहेंगे।

वन मंत्री से की मुलाकात और रखा डिफेंस लैंड पर पौधा रोपण का प्रस्ताव

करंट क्राइम। शहर विधायक संजीव शर्मा लखनऊ में हैं और लगातार अपने विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रस्ताव पास करा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और बड़े प्रोजेक्ट पर सहमति दी। इसके बाद वो उत्तर प्रदेश के वन मंत्री से मिले। शहर विधायक संजीव शर्मा ने वन मंत्री को अवगत कराया कि डिफेंस लैंड को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर इस जमीन को नगर निगम तथा वन विभाग को सौंपा गया था। नगर निगम ने अपने हिस्से की जमीन पूरी घेरी और उस पर पौधे लगाये हैं। लेकिन वन विभाग अभी तक अपने हिस्से की एक चौथाई जमीन ही घेर पाया है। उन्होंने कहा कि इस पर लगभग दो लाख पौधे लगने हैं। बताते हैं कि शहर विधायक की मुलाकात के दौरान ही वन मंत्री ने जिला वन अधिकारी को निर्देशित करने के आदेश दिये। वन मंत्री ने शहर विधायक संजीव शर्मा को आश्वासन दिया कि मैं स्वयं इस काम को कराऊंगा। अब जमीन की फेंसिंग होगी और उसके बाद यहाँ औषधी पौधे लगाये जायेंगे। जिससे हवा की गुणवत्ता सुधरेगी और भविष्य में अवैध कब्जे की संभावना शून्य हो जायेगी।



पूर्व भाजपा अध्यक्ष के घर धमाका और आग बोले - यह हादसा नहीं, मेरी और मेरे परिवार की हत्या की साजिश है

विस्फोट के बाद ज्वलनशील पदार्थ डालकर लगाई गई आग, डीएलएफ कॉलोनी में मचा हड़कंप

गाजियाबाद, करंट क्राइम। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष और क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रहे मानसिंह गोस्वामी के डीएलएफ कॉलोनी स्थित आवास पर रहस्यमय धमाके के बाद भीषण आग लगने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। यह आग सामान्य हादसा नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश हो सकती है, यह आरोप खुद मानसिंह गोस्वामी ने लगाया है। मानसिंह गोस्वामी ने दो टुक कहा कि जिस तरह पहले धमाका हुआ और फिर ज्वलनशील पदार्थ से आग फैलाई गई, उससे साफ है कि यह आग नहीं, हमला था। यह मेरे और मेरे परिवार की हत्या की साजिश हो सकती है। घटना



के समय अचानक तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जिसके तुरंत बाद घर के एक हिस्से में आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि परिवार के लोग जान बचाकर बाहर निकलने को मजबूर हो गए। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे और पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। मानसिंह गोस्वामी की बहन संगीता ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को अलर्ट किया, जिसके बाद दमकल और पुलिस को सूचना दी गई। पहले भी मिल चुकी हैं धमकियाँ, पीछा और हमले के आरोप। यह पहला मौका नहीं है जब मानसिंह गोस्वामी को निशाना बनाया गया हो।



इससे पहले भी उन्हें आए हैं धमकी भरे फोन कॉल

करंट क्राइम : मान सिंह को इससे पहले भी धमकी भरे फोन कॉल आई हैं। तो कई बार उनका वाहन से पीछा किया गया है। तो संभावित हमले की चेतावनियाँ मिलती रही हैं। ऐसे में उनके घर में हुआ यह अग्निकांड महज संयोग नहीं माना जा रहा, बल्कि इसके पीछे किसी गहरी साजिश की आशंका जताई जा रही है।

तो क्या परिवार को मिलेगी सुरक्षा?

करंट क्राइम : इस सनसनीखेज घटना के बाद इलाके में यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या मानसिंह गोस्वामी और उनके परिवार को तत्काल सुरक्षा दी जानी चाहिए? क्या यह राजनीतिक या आपराधिक साजिश है? अब सबकी नजरें पुलिस जांच पर टिकी हैं। आने वाले दिनों में यह साफ होगा कि यह अग्निकांड एक हादसा था या किसी खतरनाक साजिश का हिस्सा है। भाजपा नेता मानसिंह गोस्वामी की पत्नी नगर निगम की निर्वाचित पार्षद हैं, इसके बावजूद जिस तरह उनके घर को निशाना बनाया गया, उसने प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मानसिंह गोस्वामी ने कहा कि उन्होंने इस पूरे मामले की जानकारी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दे दी है और निष्पक्ष गहन जांच की मांग की है।

महर्षि दयानंद जयंती पर मनुस्मृति को लेकर भ्रांतियां दूर करने की जरूरत : बालेश्वर त्यागी

पूर्व मंत्री ने कहा, बिना पढ़े ग्रंथों का विरोध या दुरुपयोग दोनों अनुचित



गाजियाबाद, करंट क्राइम। महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री बालेश्वर त्यागी ने मनुस्मृति को लेकर चल रही बहस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि किसी भी ग्रंथ को बिना पढ़े गाली देना या जलाना उचित नहीं



है, वहीं उसके नाम पर जातिगत श्रेष्ठता का दावा करना भी गलत है। बालेश्वर त्यागी ने कहा कि मनुस्मृति को लेकर समाज में अनेक भ्रांतियां फैलाई गई हैं। उनके अनुसार मनुस्मृति में 'ब्राह्मण' को जन्म से नहीं, बल्कि गुण, कर्म और स्वभाव से परिभाषित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्ण व्यवस्था का मूल आधार योग्यता और कर्तव्य विभाजन था, न

कि जातिगत भेदभाव। पूर्व मंत्री ने कहा कि मनुस्मृति में मनुष्य की केवल एक ही जाति 'मनुष्य' मानी गई है और वर्ण परिवर्तन भी संभव बताया गया है। शिक्षा, तप, आचरण और समाजहित के कार्यों के आधार पर व्यक्ति का स्थान निर्धारित होता है। जन्म के आधार पर श्रेष्ठता का दावा करना शास्त्रीय दृष्टि से भी उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि ग्रंथों को संदर्भ सहित पढ़ा और समझा जाए। सामाजिक विभाजन और जातिगत अहंकार से ऊपर उठकर ज्ञान, अनुशासन और नैतिकता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बालेश्वर त्यागी ने कहा कि महर्षि दयानंद का संदेश भी वही था कि समाज सत्य और तर्क के आधार पर आगे बढ़े, न कि अज्ञान और भ्रम के आधार पर।

दैनिक



www.currentcrime.com

करंट क्राइम

सिर्फ सच...

03

नई दिल्ली | शुक्रवार

13 फरवरी -2026

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

आज गाजियाबाद आएंगे मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा



गाजियाबाद, करंट क्राइम : मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा (आईएस) शुक्रवार को गाजियाबाद के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) से जुड़ी तैयारियों के साथ-साथ चुनाव अभियान के कार्यक्रमों की समीक्षा एवं अन्य निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं का भी जायजा लेंगे। यह कार्यक्रम 13 फरवरी को सुबह 11 बजे हिंदी भवन, लोहिया नगर, गाजियाबाद में आयोजित किया जाएगा। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी बीएलओ और सुपरवाइजरों के साथ सीधा संवाद व चर्चा करेंगे। इस दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण और चुनावी कार्यों के दौरान जमीनी स्तर पर आ रही कमियों, समस्याओं और चुनौतियों को जानकारी ली जाएगी। बताया गया है कि नवदीप रिणवा यह भी जानेंगे कि कहाँ और किस स्तर पर दिक्कतें सामने आ रही हैं, ताकि उन्हें समय रहते दूर किया जा सके। साथ ही वह चुनावी कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक सुझाव व दिशा-निर्देश भी देंगे। बैठक के बाद मुख्य निर्वाचन अधिकारी मीडिया से भी रूबरू होंगे और एसआईआर-2026, चुनावी तैयारियों, अभियान कार्यक्रमों तथा अन्य व्यवस्थाओं की प्रगति को लेकर जानकारी साझा करेंगे।

महाशिवरात्रि को लेकर दूधेश्वरनाथ मंदिर में शुरू हुई तैयारियां हापुड़ रोड के पिलरों पर उभर रही हैं शिव मंदिरों की भव्य कलाकृतियां



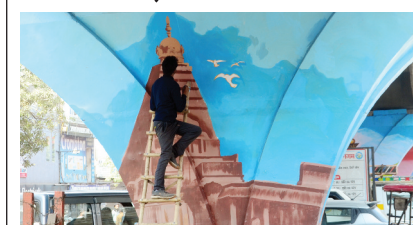
गाजियाबाद, करंट क्राइम । महाशिवरात्रि के पावन पर्व को लेकर शहर के प्रसिद्ध दूधेश्वर नाथ मंदिर में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। नगर निगम द्वारा मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सफाई, प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए बैरिकेडिंग की जा रही है, ताकि जलाभिषेक के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

इस अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु देश-प्रदेश से मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक कर आशीर्वाद लेंगे।

बीते दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी महाशिवरात्रि पर्व को लेकर सभी वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि धार्मिक स्थलों पर

व्यवस्थाओं की समीक्षा कर उन्हें समय रहते दुरुस्त किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बढ़ीनाथ, केदारनाथ और पुरा महादेव की झलक



करंट क्राइम : महाशिवरात्रि की तैयारियों के तहत हापुड़ प्लाईओवर के नीचे बने पिलरों की भी आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है। नगर निगम की ओर से यहां पेंटिंग, सफाई और भगवान शिव से जुड़े प्रमुख मंदिरों की कलाकृतियां उकेरी जा रही हैं। इन पिलरों पर बढ़ीनाथ, केदारनाथ, पुरा महादेव सहित देश के प्रसिद्ध शिव मंदिरों का दर्शाया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं और राहगीरों को एक दिव्य एवं आध्यात्मिक अनुभूति मिल सके। नगर निगम का उद्देश्य महाशिवरात्रि के अवसर पर शहर को धार्मिक और सांस्कृतिक रंग में रंगना है।

महाशिवरात्रि पर 13 से 16 फरवरी तक ट्रैफिक डायवर्जन हापुड़ सीमा में वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित



गाजियाबाद, करंट क्राइम : महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण और सुचारु रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद द्वारा 13 फरवरी से 16

फरवरी की शाम चार बजे तक ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया गया है। इस दौरान हल्के व भारी वाहनों का हापुड़ की सीमा में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

वैकल्पिक मार्ग व्यवस्था

करंट क्राइम : गाजियाबाद से हापुड़ होते हुए मुरादाबाद, बरेली और लखनऊ की ओर जाने वाला यातायात अब निम्न मार्गों का प्रयोग करेगा। तो लाल कुआ, दादरी, बुलंदशहर, डिबाई, नरौरा। इसके बाद डसना इंटरचेंज से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर चढ़कर चलावल की ओर बढ़ेंगे और अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। वहीं, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे से कुंडली और पलावल की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहन डसना इंटरचेंज के एग्जिट प्वाइंट से नीचे नहीं उतर सकेंगे।

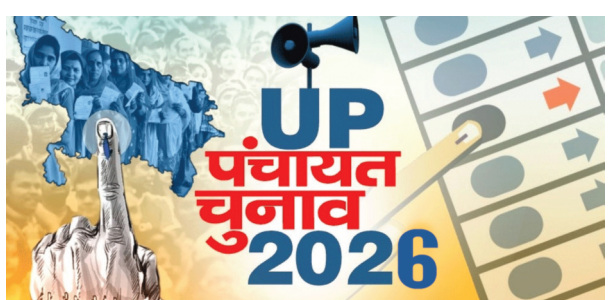
दूधेश्वरनाथ मंदिर मार्ग पर भी रहेगा डायवर्जन
करंट क्राइम : ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर दूधेश्वरनाथ मंदिर मार्ग पर भी अलग से ट्रैफिक डायवर्जन लागू किया जाएगा, ताकि शिव भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

डोसीपी ट्रैफिक नियंत्रण विसेन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद सहित आसपास के क्षेत्रों में भारी वाहनों की आवाजाही

पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है।

क्यों है भाजपा में पंचायत चुनाव को लेकर ये चर्चा जून में नहीं हुए चुनाव तो फिर 2027 चुनाव के बाद ही भरा जायेगा पर्चा

गाजियाबाद, करंट क्राइम । पंचायत चुनाव को लेकर तैयारी चल रही है। बात यहां राजनीतिक दलों की करें तो यहां सत्ताधारी दल भाजपा में सबसे ज्यादा तैयारी वाला सीन में चल रहा है। भाजपा के समर्थन से यहां चुनाव लड़ने वालों की एक पूरी फौज तैयार है। हालांकि भाजपा पहले ही ये स्पष्ट कर चुकी है कि पंचायत चुनाव में वो सपोर्ट करेगी मगर चुनाव लड़ने वाले चेहरे ये कह रहे हैं कि हमें केवल भगवा सपोर्ट चाहिए और वोट का इंतजाम हम खुद कर लेंगे।



सूत्र बता रहे हैं कि अगर वर्ष 2026 में जिला पंचायत वाले चुनाव नहीं हुए तो फिर इन चुनावों की बिसात अगले वर्ष 2027 में विधानसभा चुनावों के बाद ही बिछेगी। ये चर्चा तेजी से चल रही है और इस चर्चा में दम इसलिए भी बताया जाता है कि देहात में पंचायत वाले कई चेहरों ने अपनी तैयारियों का तंबू उखाड़ना शुरू कर दिया है। उनकी एक्टिविटी में कमी आई है और अब वो बैक टू बिजनेस हो रहे हैं। जो चेहरे शहरी क्षेत्र से जाकर अपने गांव में देहात में डेरा डालकर पड़े थे अब वो अपने डेरे तम्बू समेट रहे हैं। समाजिक कार्यक्रमों से खुद को समेट रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ इस बात को प्रबलता से बताया जा रहा है कि अगर मई और जून

में पंचायत के चुनाव नहीं हुए तो फिर ये जिला पंचायत चुनाव विधानसभा चुनावों के बाद होंगे। इसकी पीछे की वजह ये बताई जा रही है कि मई जून के बाद एसआईआर अभियान पूरी तरह सम्पन्न हो जायेगा। इसके बाद सरकारी मशीनरी विधानसभा चुनावों के लिए मतदाता सूची के प्रकाशन में जुटेगी। इसके बाद यहां कई चरण ये प्रक्रिया चलेगी। इतना ही नहीं वर्ष 2026 के मिड में ही 2027 के लिए चुनावी तैयारियां शुरू हो जायेंगी। लिहाजा ऐसे में इस बात की प्रबल संभावना है कि पूरा फोकस विधानसभा के चुनावों पर रहेगा। अगर मई-जून में पंचायत वाले पर्चा नहीं भरा गया तो फिर इस पर्व को भरने की बेला विधानसभा चुनाव 2027 के बाद ही आयेगी।

वोटर लिस्ट से लेकर पिछड़ा आयोग वाला दिवस्ट

करंट क्राइम । पंचायत चुनाव लोकतंत्र की पहली सीढ़ी माने जाते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में देहात में प्रथम जनप्रतिनिधि ग्राम प्रधान होता है। इसके बाद ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत सदस्य आते हैं। देहात के चुनाव को लेकर जो चर्चा चल रही है उसके पीछे की दो लिस्ट हैं। पहला दिवस्ट वोटर लिस्ट का है। क्योंकि वोटर लिस्ट अपडेट होगी और अगर जिला पंचायत पर फोकस हुआ तो देहात में एसआईआर वाले काम पर फोकस नहीं होगा और दूसरा दिवस्ट पिछड़ा वर्ग आयोग वाला है। पिछड़ा वर्ग आयोग की चर्चा ने भी यहां ब्रेक लगाये हैं। इधर वोटर लिस्ट तैयार होनी है। लिहाजा मई और जून इसकी डेट है और अगर इस डेट में चुनाव नहीं होता है तो फिर मानकर चलिए कि चुनाव 2027 तक लैट है।

सपोर्ट के चक्कर में वोट को नाराज नहीं करना चाहती भाजपा

करंट क्राइम । पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा तैयारी भी कर रही है। भाजपा के बारे में एक आम धारणा ये भी है कि वो वर्ष भर चुनाव लड़ती है और वर्ष भर चुनाव की तैयारी करती है। विधान परिषद वाले चुनावों में भाजपा ने अपने नए वोट और नए समीकरण से पूरा परिदृश्य बदला है। जिला पंचायत वाले चुनावों में भाजपा समेत सभी राजनीतिक दल अपना सिम्बल देने से परहेज करते हैं। इसके पीछे की रोक वजह यह है कि सभी राजनीतिक दल दोनों हाथों में लबू रखना चाहते हैं। वो ये भी चाहते हैं कि उन्हें वोट मिले और वो ये भी नहीं चाहते कि हार का सेहरा उनके सर बंधे। ऐसे में वो फ्री हैंड चुनाव छोड़ते हैं और समर्थित वाला गेम होता है। लेकिन राजनीतिक दल खासतौर से भाजपा का मिशन 2027 का विधानसभा चुनाव है। वो विधानसभा चुनावों के लिए जिला पंचायत वाली नाराजगी का खतरा मौल नहीं लेना चाहती है। क्योंकि सिम्बल सपोर्ट और वोट के गेम में कार्यकर्ता के नाराज होने का खतरा रहता है। इसलिए भी इस तर्क में वजन दिखाई दे रहा है कि जिला पंचायत वाला चुनाव 2027 के विधानसभा रण के बाद ही लड़ा जायेगा।

एसआईआर अभियान को लेकर सपा ने बनाया 11 लाख वोट का टारगेट

26 फरवरी तक बड़ी संख्या में भरवाए जाएंगे फार्म-6

गाजियाबाद, करंट क्राइम । एसआईआर अभियान में अगर रस की बात करें तो यहां ग्राउंड लेवल पर भाजपा और सपा दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस उतनी एक्टिव नहीं है और बसपा तो इस अभियान में दिखाई ही नहीं दे रही है। जबकि भाजपा और सपा ने इस अभियान में पूरी ताकत झोंकी है। भाजपा जहां अपनी पूरी फोर्स इस्तेमाल कर रही है वहीं समाजवादी पार्टी भी यहां इस अभियान को लेकर गम्भीर है और वो बूथ पर खुद को मजबूत करने की कवायद में है। समाजवादी पार्टी ने पहले अभियान में कितने वोटों का इजाफा किया है और उसका क्या प्लान रहा है। समाजवादी पार्टी एसआईआर अभियान टू में क्या प्लान लेकर चल रही है और उसे कितनी मजबूती मिली है इन सब सवालों के साथ दैनिक करंट क्राइम में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन से बात की। फैसल हुसैन अभियान को लेकर समाजवादी मेहनत से संतुष्ट नजर आये। उन्होंने कहा कि हमने प्रत्येक बूथ पर 50 वोट बनवाने का



समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन ने कहा कि हमने प्रत्येक बूथ पर 50 वोट बनवाने का लक्ष्य तय किया है

लक्ष्य तय किया। यह लक्ष्य प्रत्येक विधानसभा के हिसाब से तय किया गया। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान में हमारे कितने वोट छूटें हैं हमने उसी के सफेख अपने लक्ष्य तय किये और अब जब फार्म 6 के जरिए वोटों का नया गणित तय हो रहा है, नए मतदाता जोड़े जा रहे हैं तो यहां लगभग 50 हजार फार्म विवरित किये हैं। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान के मध्य में नए बूथ भी बनाये गये हैं। मोदीनगर में 10 नए बूथ हैं तो लोनी में लगभग 52 बूथ बने हैं वहीं मुरादनगर में 20 नए बूथ का निर्माण हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधानसभा में अनुमानित तौर पर 500 बूथ हैं और हर विधानसभा में हमारा लक्ष्य 15-20 मतदाताओं को जोड़ने का है। हम जिले के हिसाब से चल रहे हैं और लगभग 75 हजार वोटों का टारगेट है। प्रत्येक विधानसभा में 15 से 20 हजार मतदाता जोड़े गये हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा में आबादी और मतदाताओं की संख्या के अनुपात में लक्ष्य रखा गया है। फार्म 6 के जरिए डेमेज कंट्रोल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब फार्म 7 को लेकर निर्वाचन आयोग की गाईड लाईन आई है, इससे लाभ होगा।

कमिशनरेट पुलिस का बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन: बाल मजदूरी से 166 बच्चे करवाए मुक्त

- तीनों जोन में चला विशेष अभियान, पुलिस कमिशनर जे रविन्दर गौड के निर्देश पर एटी ह्यूमन ट्रेफिकिंग थाना हुआ था एक्टिव



गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिशनरेट गाजियाबाद ने बाल मजदूरी के खिलाफ अब तक का एक बड़ा और जोखिम भरा अभियान चलाते हुए 166 बालक-बालिकाओं को बाल श्रम और मजदूरी से मुक्त कराया है। यह कार्रवाई पुलिस कमिशनर जे रविंदर गौड के निर्देश पर एटी ह्यूमन

ट्रेफिकिंग थाना द्वारा तीनों जोन-सिटी, ट्रांस हिंडन और ग्रामीण-में की गई। बीते कुछ महीनों से लगातार चल रहे इस अभियान के दौरान दुकानों, फैक्ट्रियों, ढाबों, होटलों और अन्य कार्य स्थलों पर छापेमारी कर बाल

मजदूरी में लगे बच्चों को चिन्हित कर सुरक्षित बाहर निकाला गया। रेस्क्यू किए गए सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसके बाद उन्हें उनके परिवारों को

सुपुर्द किया जाएगा।

इस मानवीय कार्रवाई के दौरान नंदग्राम थाना क्षेत्र के दो परिवारों को वर्षों बाद उनके बच्चों से मिलवाया गया, जिससे परिवारों में भावुक दृश्य देखने को मिले।

सिटी जोन रहा सबसे आगे

करंट क्राइम : सिटी जोन में पुलिस की सक्रियता सबसे अधिक रही। यहां कुल 84 बालक-बालिकाओं को बाल मजदूरी से मुक्त कराया गया। इसमें कोतवाली थाना 17, विजयनगर थाना 32, नंदग्राम थाना 23 और कविनगर थाना 12 को वापिस करवाया है। उधर ट्रांस हिंडन जोन में 44 बच्चों का रेस्क्यू हुआ। जिसमें ट्रांस हिंडन जोन में भी बड़े स्तर पर कार्रवाई करते हुए 44 बच्चों को सुरक्षित कराया गया। इंदिरापुरम 14, कोशाबी 13 और साहिबाबाद 17 बाल मिले हैं। ग्रामीण जोन में चलाए गए अभियान के तहत 38 बालक-बालिकाओं को बाल मजदूरी से मुक्त किया गया। जिसमें थाना मसूरी 16 और मुरादनगर 22 शामिल रहे। हालांकि, पुलिस कमिशनरेट के कुछ थानों में इस अभियान को लेकर अपेक्षित सक्रियता नहीं देखी, जिसको लेकर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा समीक्षा की जा रही है। उधर पुलिस कमिशनर जे रविन्दर गौड ने कहा कि बच्चों का भविष्य सुरक्षित करना पुलिस की सामाजिक जिम्मेदारी है। बाल मजदूरी और मानव तस्करी के खिलाफ ऐसे अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।



मण्डलायुक्त ने जब दिये रजिस्टर मेंटेन करने के आदेश क्यों कन्फ्यूज दिख रहे हैं कलैक्ट्रेट के बाबुओं के फेस

गाजियाबाद, करंट क्राइम । मण्डलायुक्त बुधवार को गाजियाबाद आये। उन्होंने यहां कलैक्ट्रेट के अधिकारियों के साथ भी बैठक की। मण्डलायुक्त ने यहां कई बिन्दुओं पर चर्चा की और आमतौर पर एक वरिष्ठ अधिकारी जिन जिन बिन्दुओं पर गौर करते हैं वो गौर उन्होंने किया। मण्डलायुक्त भानू चंद गोस्वामी ने कलैक्ट्रेट में समस्याओं के निस्तारण के एडमिनिस्ट्रेटिव फॉर्मेट को देखा और परखा। मण्डलायुक्त को इस बैठक में सबकुछ चौकस था और यहां पर मण्डलायुक्त भी नार्मल थे लेकिन निरीक्षण के दौरान उन्होंने समस्याओं के समाधान वाली चैन को पकड़ लिया। हालांकि मण्डलायुक्त ने उतना डीप निरीक्षण नहीं किया लेकिन वो समस्याओं के समाधान वाले सिस्टम को लेकर संतुष्ट नजर नहीं आये। उन्होंने पूछ लिया कि रजिस्टर मेंटेन क्यों नहीं हो रहा है। अधिकारियों से ये सवाल था और सवाल ये था कि जब पटल पर शिकायत आई तो वो फिर किस चैन के तहत आगे बढ़ी। किसने क्या निर्देश दिये और एक पटल से दूसरे पटल होते हुए



उसका निस्तारण कैसे हुआ। सूत्र बताते हैं कि कई जिलों में व्यवस्था इस तरह की आयुक्त महोदय ने देखी और उनका यही सवाल है कि रजिस्टर मेंटेन क्यों नहीं हो रहा है। उन्होंने रजिस्टर मेंटेन करने के निर्देश दिये और साहब के हुक्म की तामील का फरमान जारी हुआ। साहब ने साहब से कहा और साहब ने कह दिया कि ऐसा ही होगा। लेकिन यहां सूत्र बता रहे हैं कि कलैक्ट्रेट के बाबू इन आदेशों को लेकर कन्फ्यूज हैं। वो दोबरे स्वर में ये बता रहे हैं कि रजिस्टर वाला सिस्टम पहले होता था और वैसे भी अगर जब निस्तारण की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाईन है तो ऐसे

हस्ताक्षर से पहले फाइल का गहन अध्ययन करें अधिकारी

करंट क्राइम । मण्डलायुक्त बुधवार को गाजियाबाद में थे और उन्होंने अधिकारियों से वार्ता की। कई बिन्दुओं पर उन्होंने निर्देश दिये। कुछ बातों को लेकर नाराजगी भी जताई। यहां पर वो एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में जुनियर अधिकारियों को एक तरह की एडवाइज भी दे रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि केवल फाइलों पर हस्ताक्षर न करें, अपितु हस्ताक्षर करने से पहले किसी भी फाइल का गहन अध्ययन करें। एक एक बिन्दु की समीक्षा करें और उसी के बाद साईन करें। यहां पर बताया जाता है कि मण्डलायुक्त ने गहन अध्ययन की सलाह दी और उनके निशाने पर कई अधिकारी भी थे।

में रजिस्टर मेंटेन करने का कोई तर्क नहीं है। सूत्र बताते हैं कि रजिस्टर मेंटेन वाला सिस्टम ही नहीं है। बहरहाल रजिस्टर मेंटेन के आदेश जारी हो गये हैं।



संपादकीय

डिजिटल नियम हुए सख्त

भारत सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी मध्यस्थ नियमों में संशोधन करके पहली बार अकसे निर्मित सामग्री—डोमेन वीडियो, कृत्रिम ऑडियो, संशोधित दृश्य—को औपचारिक नियामक ढांचे के अंतर्गत लाया है।

केंद्र सरकार ने डोमेन और अकसे तैयार कंटेंट के लिए डिजिटल नियमों को कड़ा कर दिया है। तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के लिए इसकी सख्त जरूरत थी। ऑडियो, वीडियो और तस्वीरों से छेड़छाड़ व फर्जी कंटेंट सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के साथ-साथ आम लोगों व देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं।

नियंत्रण मकसद नहीं सोशल मीडिया पर कोई भी नियम लागू करने पर सबसे पहले अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सवाल उठाया जाता है, कि सरकार कहां तक निगरानी कर सकती है। इस लिहाज से नए नियम महत्वपूर्ण हैं, इनमें नियंत्रण से ज्यादा नियमन को तरजीह दी गई है। मकसद है, देखने वालों को असली और नकली के बीच का फर्क पता रहे, ताकि उसका इस्तेमाल किसी गलत काम के लिए न हो सके।

कंपनियों की जिम्मेदारी नए नियमों के मुताबिक, अकसे तैयार कंटेंट पर हर हाल में लेबलिंग होनी चाहिए। यह भी जरूरी है कि कंटेंट आया कहां से और अगर कोई सामग्री गैरकानूनी है तो उसे तीन घंटे के भीतर हटाया होगा। सरकार ने नियमों के पालन के लिए तय समय-सीमा भी धर्ताई है। ऑनलाइन चीजें जिस तेजी से वायरल होती हैं, उसे देखते हुए जरूरी था कि एक्शन की रफ्तार भी बढ़ाई जाए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और उनके सीनियर अधिकारियों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी डाली गई है, जो बिल्कुल ठीक है। ये कंपनियां हर बात में यूनजर राइट्स और प्राइवसी की आड़ लेकर बच नहीं सकती, उनकी भी जवाबदेही तय होना जरूरी है।

तकनीक की चुनौतियां भारत में दुनिया के सबसे ज्यादा सोशल मीडिया यूजर मौजूद हैं और 86% से ज्यादा घरों तक इंटरनेट पहुंच चुका है। डिजिटल इंडिया आज तककी का संकेत है, लेकिन इसके साथ चुनौतियां भी बढ़ी हैं। डोमेन और अकसे जरिये ऑडियो-वीडियो में छेड़छाड़ ऐसी ही एक गंभीर चुनौती है। सरकार से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक इस पर चिंता जाहिर कर चुके हैं। साल 2024 में साइबर क्राइम के 22.68 लाख केस सामने आए थे। कई सेलेक्स शिकायत कर चुके हैं कि उनकी तस्वीरों-वीडियो का इंटरनेट पर गलत इस्तेमाल हुआ।

समिट से उम्मीदें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का विस्तार अभी शुरू हुआ है। इसके साथ देशों की राजनीति, समाज, अर्थव्यवस्था—सब कुछ नए ढंग से आकार ले रहा है। नई दिल्ली में अगले हफ्ते से अकस्मिक होना है, जिसमें इस फील्ड के दिग्गज शामिल होंगे। सरकार के इंडिया अकमिशन की संकल्पना के लिए यह सम्मेलन बेहद अहम है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में भारत ने अभी बस शुरुआत की है। साफर उम्मीद से बेहतर हो, इसके लिए बेहतर नियमन जरूरी है।

बजट 2026-27 में राज्यों को 25.44 लाख करोड़ का हस्तांतरण, पूंजीगत व्यय में बड़ी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर वित्त मंत्री का भाषण साझा करते हुए जरूरी चीजों का उल्लेख किया। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में 'रिफॉर्म एक्सप्रेस', एमएसएमई को समर्थन, कौशल विकास, नई पीढ़ी के इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा देने जैसे अहम पहलुओं को विस्तार से रखा है।

राज्यों को 25.44 लाख करोड़ रुपये का हस्तांतरण : वित्त मंत्री ने लोकसभा में बताया कि बजट 2026-27 में राज्यों को करों में हिस्सेदारी और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के तहत कुल 25.44 लाख करोड़ रुपये हस्तांतरित किए जाने का अनुमान है। यह राशि 2025-26 की तुलना में 2.7 लाख करोड़ रुपये अधिक है। उन्होंने विपक्ष के इस आरोप को खारिज किया कि राज्यों को संसाधनों का हस्तांतरण कम किया गया है।

पूंजीगत व्यय में बढ़ोतरी : बजट 2026-27 में कुल 17.15 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत निवेश का प्रावधान किया गया है। जिसे उन्होंने 4 गुना गुणक प्रभाव वाला बताया। केंद्र का प्रत्यक्ष पूंजीगत व्यय 12.22 लाख करोड़ रुपये है, जो

सभी राज्यों के लिए खुली योजनाएं वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं सभी राज्यों के लिए खुली हैं। राज्य अगर व्यवहार्य प्रस्ताव लेकर आते हैं तो पीएम गति शक्ति के मानकों के तहत मेगा फूड पार्क, आईटी पार्क, स्मार्ट सिटी, जलमार्ग, एलाइड एंड हेल्थ सर्विस हब जैसे प्रोजेक्ट स्थापित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेडिकल शिक्षा और उपचार सुविधाओं को एक ही परिसर में विकसित कर भारत को मेडिकल टूरिज्म के बड़े केंद्र के रूप में आगे बढ़ाया जा सकता है।

शिक्षा, कौशल और उद्यमिता पर जोर युवाओं के लिए शिक्षा और स्किलिंग को एकीकृत करने वाले मेगा केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जिन्हें औद्योगिक क्लस्टर के पास विकसित किया जा सकता है। इनका उद्देश्य छात्रों को उद्यमिता के लिए तैयार करना है।

कृषि और श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर फोकस वित्त मंत्री ने कहा कि बजट में श्रम-प्रधान क्षेत्रों और पारंपरिक उद्योगों के पुनरुद्धार पर विशेष ध्यान दिया गया है। उच्च मूल्य वाली कृषि और बागवानी फसलों, विशेषकर नारियल को बढ़ावा देने से एक करोड़ किसानों को लाभ होगा।

जीडीपी का 3.1 प्रतिशत है और पिछले वर्ष की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक है। राज्यों को विभिन्न योजनाओं के तहत हस्तांतरण जोड़ने के बाद कुल पूंजीगत व्यय जीडीपी का 4.4 प्रतिशत

एचएएल का मुनाफा 29.6 फीसदी बढ़कर 1866 करोड़ रुपये आय में 10% से अधिक का उछाल

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने तीसरी तिमाही में 29 प्रतिशत से अधिक का लाभ दर्ज किया। कंपनी की आय 10.65 प्रतिशत बढ़कर 7,698.80 करोड़ रुपये पहुंच गई।

सरकारी रक्षा कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही (दिसंबर तिमाही) में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी के अनुसार, इस तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा (पीपीटी) सालाना आधार पर 29.6 प्रतिशत बढ़कर 1,866.66 करोड़ रुपये हो गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,439.79 करोड़ रुपये था।

राजस्व मोचों पर भी कंपनी ने अच्छी बढ़त हासिल की है। संचालन से आय 10.65 प्रतिशत बढ़कर 7,698.80 करोड़ रुपये रही, जो एक वर्ष पहले की समान तिमाही में 6,957.31 करोड़ रुपये थी। वहीं, कंपनी की कुल आय बढ़कर 8,612.60 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 7,588.71 करोड़ रुपये थी।



लोकसभा में औद्योगिक संबंध सहिता संशोधन बिल पर चर्चा नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने संसद में इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड 2020 में एक संशोधन प्रस्तुत किया है। उन्होंने लोकसभा में कहा कि इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, 2020 को 28 सितंबर 2020 को संसद द्वारा पारित किया गया था। इस कोड के लागू होने से पहले टेड यूनियन अधिनियम, 1926; औद्योगिक रोजगार (स्थायी आदेश) अधिनियम, 1946; और औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 प्रभावी थे। इन तीनों पुराने कानूनों को समाहित कर एकीकृत रूप में यह नया कोड लाया गया।

उन्होंने कहा कि नए कोड के लागू होने के साथ ही सरकार को इन पूर्ववर्ती अधिनियमों को निरस्त (रिपील) करने का अधिकार प्राप्त हुआ था और सरकार ने उन्हें निरस्त भी कर दिया है।

आईटी सेक्टर की गिरावट से शेयर बाजार दबाव में, सेंसेक्स 558 अंक गिरा

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 558.72 अंक गिरकर 83,674.92 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निप्टी 146.65 अंक गिरकर 25,807.20 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के बीच गुरुवार को बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 558 अंक गिरा गया, क्योंकि एआई-आधारित व्यवधानों को लेकर चिंताओं और मजबूत अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के बाद फेड द्वारा व्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम होने से निवेशकों की भावना पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 558.72 अंक या 0.66 प्रतिशत

गिरकर 83,674.92 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 716.97 अंक या 0.85 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 83,516.67 के अंतर्देशीय निचले स्तर पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निप्टी 146.65 अंक या 0.57 प्रतिशत गिरकर 25,807.20 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल : सेंसेक्स में गिरावट का नेतृत्व टेक्नोलॉजी शेयरों ने किया, जिसमें टेक महिंद्रा, इंफोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर लगभग 6 प्रतिशत गिरकर प्रमुख रूप से पिछड़ गए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलिवर, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एटर्नल, एचडीएफसी बैंक, इंडिगो, कोटक महिंद्रा बैंक और अदानी पोर्ट्स के शेयर भी घाटे में बंद हुए। दूसरी ओर, बजाज फार्मस, आईसीआईसीआई बैंक, टैट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, टाइटन, लार्सन एंड टुब्रो, भारतीय एयरलैट और टाटा स्टील लाभ कमाने वालों में शामिल थे। बीएसई मिडकैप सेलेक्ट इंडेक्स में 0.48 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि

जनवरी में 2.75% रही खुदरा महंगाई दर, सरकार ने बदला मुद्रास्फीति नापने का तरीका

नई दिल्ली। जनवरी 2026 में खुदरा महंगाई दर 2.75% रही। सरकार ने सीपीआई का बेस ईयर 2012 से बदलकर 2024 कर दिया है। जानिए महंगाई की नई बास्केट में क्या जुड़ा और क्या हटा। आम आदमी के लिए नए साल की शुरुआत में राहत भरी खबर आई है। जनवरी 2026 में खुदरा महंगाई दर 2.75% दर्ज की गई है। यह आंकड़े इसलिए खास हैं क्योंकि सरकार ने महंगाई मापने का पैमाना यानी 'बेस ईयर' बदल दिया है। अब 2012 की जगह साल 2024 को आधार मानकर महंगाई के आंकड़े जारी किए गए हैं।

अब नए तरीके से नापी जाएगी आपकी जेब महंगाई की मार

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में बड़ा बदलाव किया है। सरकार का कहना है कि पिछले एक दशक में लोगों के खर्च करने का तरीका पूरी तरह बदल गया है, इसलिए पुराने पैमाने को अपडेट करना जरूरी था। ए.ए.इंडेक्स का ढांचा 'घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023-24' पर आधारित है।

क्या होगा असर ? बेस ईयर बदलने का मतलब सिर्फ तकनीकी बदलाव नहीं है। इसमें अलग-अलग कैटेगरी के 'बेजेट' (महत्व) को बदला गया है। जानकारों का मानना है कि नए बेस ईयर (2024) से नीति निर्माताओं और आरबीआई को ज्यादा सटीक डेटा मिलेगा, जिससे भविष्य में आर्थिक फैसले लेने में आसानी होगी।

रोचक तथ्यों का करंट

- यदि आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो पिस्ता खाना शुरू कर दें, क्योंकि इसमें मौजूद प्रोटीन और फाइबर जल्दी भूख नहीं लगने देते हैं। यह बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल को कम करता है और गुड एलडीएल को बढ़ाता है। यह मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाकर दिल को मजबूत बनाए रखता है।
- इसमें मौजूद विटामिन बी 6 खून में ऑक्सीजन ले जाता है। प्रतिदिन इसके सेवन से खून में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ जाती है व हीमोग्लोबिन भी बढ़ता है।
- इसमें विटामिन-ई और वसा युक्त घुलनशील एन्टी-ऑक्सिडेंट होते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने के साथ प्राकृतिक सुंदरता प्रदान करते हैं।
- पिस्ता में मौजूद कैल्शियम, मैग्नेशियम और पोटैशियम हड्डियों को मजबूत करते हैं और हड्डी से संबंधित बीमारी को भी रोकते हैं।
- रोजाना एक कप पिस्ता आवश्यक फॉस्फोरस की 60 फीसदी जरूरत को पूरा करता है। यह डायबिटीज से भी बचाता है। भुना हुआ पिस्ता न खाएं, क्योंकि इसमें सोडियम अधिक होता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है।

भोले बाबा बर्फानी

प्रस्तुति करंट क्राइम
संजीव शर्मा
पूर्व पार्षद गांधी नगर गाजियाबाद।

शक्तिशाली भोले बाबा, ओ बलशाली भोले बाबा। तेरे द्वार से जुड़ा जो, मालामाल हुआ है।

मेरा अपना तन मन बदला, जुड़कर सारा जीवन बदला। मेरे साथ जो हुआ है, वो कमाल हुआ है।

हैं ये वश में सारी सृष्टि, बरसी जिस पर कृपा द्रष्टि। शिव के प्रेम में पड़ा जो, वो निहाल हुआ है।

बाबा ऐसे ज्ञानी ध्यानी, भोले बाबा बर्फानी। पहुँचा जो भी शरण में, बेमिसाल हुआ है।

सारे बैरी मुझसे हारे, होते मेरे बारे न्यारे। तेरा नाम ओ शिव शंकर, मेरी ढाल हुआ है।

राशिफल

मेघ: दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। वाणी पर संयम रखें।

वृष: व्यावसायिक लंबी यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नए काम प्राप्त होंगे। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। लॉटरी-स्ट्रेट्टे से दूर रहें।

मिथुन: किसी भी प्रकार से धनहानि के योग हैं। लापरवाही न करें। कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आ सकता है। आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है।

कर्क: पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरे आपकी बात मानेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। चोट लग सकती है।

सिंह: किसी अनहोनी की आशंका रह सकती है। आर्थिक उन्नति के लिए नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं।

कन्या: जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है। यात्रा सफल रहेगी। कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में अटक के काम अनुकूल रहेंगे।

तुला: दुश्मनों से सावधान रहें। वाहन व मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी आवश्यक है। शारीरिक हानि की आशंका है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृश्चिक: दायित्व जीवन मधुर रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे। चोट लग सकती है।

धनु: ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय हो सकता है। प्रतिद्वंद्वी रास्ता छोड़ देंगे। भूमि व भवन संबंधित कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

मकर: व्यस्तता के चलते थकान रह सकती है। विधायी वर्ग अपने कार्य उत्साह व लगन से कर पाएंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

कुंभ: वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में तनाव रह सकता है। समय पर कार्य न होने से क्षोभ उत्पन्न होगा। कोई दुःख समाचार प्राप्त हो सकता है।

मीन: लेन-देन में सावधानी रखें। आय में वृद्धि होगी। पहले की गई मेहनत का फल मिलेगा। समाजसेवा करने की इच्छा जागृत होगी। मान-सम्मान मिलेगा।

चुटकुले

पति-पत्नी एक ही प्लेट में गोलगप्पे खा रहे थे एक दूसरे की आंख में आँख डाले पत्नी ने रोमांटिक हो कर पूछा !

ऐसे क्या देख रहे हो जी ?

पति: थोड़ा आराम से खा, मेरी बारी ही नहीं आ रही।

पति- मेरे सीने में बहुत तेज दर्द हो रहा है, जल्दी से एंबुलेंस के लिए कॉल लगाओ

पत्नी- हां, लगाती हूँ

अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओ

पति: रहने दो, अब थोड़ा ठीक लग रहा है।

टीचर: पप्पू, तुम क्लास में हैंस क्यों रहे हो ?

पप्पू: मैडम, एक जोक याद आ गया।

टीचर: कौन सा ?

पप्पू: रिपोर्ट कार्ड वाला !

प्रिय पाठकों, आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 98999655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छापाकार कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.O. DELHI/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव,
विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्ट्रे एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

13 02 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

रश्मि देसाई (अभिनेत्री)

लव राज लड्डू, तुषार गौतम, अन्नू भल्ला, शिल्पी अग्रवाल, रजनीश कुमार, आकाश वर्मा, मोहित त्यागी, नितिन अर्थला, विपुल अग्रवाल, ऋषभ जैन, सत्यम पांचोली, भूषण पंडित, अमित सैन, मुसरन मीर, संजीव कुमार त्यागी, सुभाष पांडेय, इरफान अली सिद्दीकी, मौ. इमरान, असलम खान, प्रशांत सिंह बिष्ट

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com



शहर के साथ बदला नगर निगम मुख्यालय का चेहरा दो साल में सुविधाओं और सिस्टम में आया बड़ा बदलाव



कार्यशैली के लिए आधुनिक कार्यस्थल जरूरी : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम ने बीते दो वर्षों में न केवल शहर के विकास को नई दिशा दी है, बल्कि नवयुग मार्केट स्थित नगर निगम मुख्यालय की तस्वीर भी पूरी तरह बदल दी है। पहले जर्जर और अव्यवस्थित नजर आने वाला निगम मुख्यालय अब आधुनिक, सुव्यवस्थित और नागरिकों के अनुकूल स्वरूप में विकसित हो रहा है। नगर निगम द्वारा शहर में वायोडायवर्सिटी पार्क, सीनियर सिटीजन केयर सेंटर, टीएसटीपी प्लॉट, सीएम ग्रीड, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, इंटीग्रेटेड ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम, इंटीग्रेटेड कंट्रोल एंड कमांड सेंटर, निगम स्कूलों में डिजिटल लैब और



प्राकृतिक पेंट प्लांट जैसे नवाचारों को शुरूआत की गई है। इसके साथ ही शहर के प्रमुख चौराहों पर स्कल्पचर और मुख्य मार्गों पर भित्ति चित्रों (पेंटिंग) के माध्यम से सौंदर्यीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी विकास यात्रा का अहम हिस्सा नगर निगम मुख्यालय का कायाकल्प भी है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में शहरवासी और बाहर से आने वाले आगंतुक पहुंचते हैं। ऐसे में निगम मुख्यालय को नागरिक-हितैषी और हाईटेक बनाना प्रशासन की प्राथमिकता रही है।



नगर निगम मुख्यालय में क्या-क्या बदला

- शौचालयों का कायाकल्प
- व्यवस्थित वेंटिंग परिसर
- अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए बेहतर बैठने की व्यवस्था
- आधुनिक मीटिंग हॉल व एलईडी स्क्रीन
- हाईटेक आईटीएमएस मॉनिटरिंग सिस्टम
- नई विद्युत व्यवस्था और फायर सेफ्टी सिस्टम
- सुंदर और सुव्यवस्थित पार्क
- लिफ्ट और एलिवेशन का नवीनीकरण

आगे की योजना :-

- पार्किंग व्यवस्था का विस्तार
- फाइल स्टोरेज के लिए आधुनिक स्टोर रूम
- जौनल कार्यालयों का भी कायाकल्प (सीएसआर से)

मुख्यालय में बदली व्यवस्था, आगंतुकों को मिली राहत

करंट क्राइम : पिछले दो वर्षों में नगर निगम मुख्यालय में शौचालयों की स्थिति में बड़ा सुधार किया गया है। आगंतुकों के लिए वेंटिंग परिसरों को व्यवस्थित किया गया है। अधिकारियों और कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था को भी बेहतर और सुविधाजनक बनाया गया है। निगम परिसर में बने पार्क का सौंदर्यीकरण कर उसे पूरी तरह सुव्यवस्थित रूप दिया गया है। बोर्ड बैठक और कार्यकारी बैठकों के लिए बने कक्षों का जौगण्डार कर उन्हें आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। लिफ्ट व्यवस्था को भी पहले से बेहतर किया गया है। इसके अलावा अधिकारियों और कर्मचारियों की बैठकों के लिए तीन बड़े मीटिंग हॉल तैयार किए गए हैं, जिनमें वर्युअल बैठकों के लिए बड़ी एलईडी स्क्रीन लगाई गई हैं।

आईटीएमएस मवन बना हाईटेक मॉनिटरिंग सेंटर

करंट क्राइम : नगर निगम मुख्यालय के साथ बनी आईटीएमएस (इंटीग्रेटेड ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम) बिल्डिंग को पूरी तरह हाईटेक बनाया गया है। यहां से जन समस्याओं के निस्तारण की मॉनिटरिंग को और अधिक प्रभावी बनाया गया है, जिससे शिकायतों के समाधान में तेजी आई है। मुख्य अभियंता (निर्माण) नरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि नगर निगम मुख्यालय के जौगण्डार का कार्य आवश्यकता के अनुसार चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है। पुरानी विद्युत व्यवस्था को हटाकर सभी वायरिंग बदली गई है। प्रत्येक तल पर नए लाइट पैनल लगाए गए हैं। अग्नि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए फायर प्रोटेक्शन सिस्टम को सुचारु किया जा रहा है। सदन कक्ष में विशेष रूप से स्प्रिंकलर नोजल लगाए गए हैं, जिससे सुरक्षा मानकों को और मजबूत किया गया है।

हर सप्ताह निरीक्षण, आगे भी होंगे नए कार्य

करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि प्रत्येक सप्ताह सभी विभागों के कार्यस्थलों का निरीक्षण किया जा रहा है। स्टाफ की बैठने की व्यवस्था के साथ-साथ आगंतुकों की सुविधा को भी प्राथमिकता दी जा रही है। फाइलों के रखरखाव और स्टोर रूम की समस्या को देखते हुए नई योजना पर काम किया जा रहा है। आगामी माह में नगर निगम मुख्यालय की पार्किंग व्यवस्था और फाइल स्टोरेज के लिए आधुनिक रूम विकसित किए जाएंगे। नगर निगम मुख्यालय के साथ-साथ विभिन्न जोंनों में भी इसी तरह के कार्य सीएसआर के माध्यम से कराए जा रहे हैं।

एडिशनल सीपी केशव चौधरी ने टीलामोड़ थाने का किया निरीक्षण

विवेचकों को समयबद्ध व निष्पक्ष जांच के लिए निर्देश



गाजियाबाद करंट क्राइम।

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर नगर निगम मुख्यालय के एडिशनल पुलिस कमिश्नर (मुख्यालय एवं अपराध) केशव चौधरी ने शालीमार गार्डन सैंकिल अंतर्गत थाना टीला मोड़ का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने में तैनात विवेचकों के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्हें समयबद्ध, निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर विवेचना करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एडिशनल सीपी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकरण में दोषी को सजा और निर्दोष को न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विवेचकों को निर्देशित किया कि जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एडिशनल सीपी केशव चौधरी ने थाने में स्थित

मिशन शक्ति केंद्र, महिला हेल्पडेस्क, साइबर हेल्पडेस्क, मालखाना सहित अन्य अभिलेखों और व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विशेष रूप से छह माह से अधिक समय से लंबित मामलों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा विवेचकों को यह भी स्पष्ट रूप से निर्देशित किया गया कि किसी भी मामले में नाम जोड़ने या हटाने से पूर्व उच्च अधिकारियों को अवगत कराना अनिवार्य होगा, तथा इसके लिए लिखित अनुमति लेना आवश्यक है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को कानून व्यवस्था और विवेचना की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

नम आंखों से दी गई स्वर्गीय प्रेमवती गुप्ता को श्रद्धांजलि



गाजियाबाद (करंट क्राइम)। श्रीमती प्रेमवती गुप्ता का निधन 01 फरवरी को हो गया था। गुरुवार को स्वर्गीय प्रेमवती गुप्ता की शोकसभा आयोजित की गई। नोएडा में आयोजित शोकसभा में समाज के गणमान्य लोग पहुंचे। सभी ने स्वर्गीय प्रेमवती गुप्ता के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। परिवार की ओर से रवि प्रकाश गुप्ता, जीपी गर्ग, कुलदीप गुप्ता, मोहित गुप्ता को सभी ने सांत्वना दी।

ॐ शान्ति: शान्ति: शान्ति:

॥ शोक-सूचना ॥

नैनं चिन्दन्ति शस्त्राणि, नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो, न शोषयति मारुतः॥

(भगवद्गीता 2.23)

अर्थ (संक्षेप में)
आत्मा को न शस्त्र काट सकते हैं, न अग्नि जला सकती है,
न जल भिगो सकता है, और न ही वायु सुखा सकती है।

मान्यवर,
अत्यन्त दुःख एवं विषाद के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे कुल के ज्येष्ठ,
परिवार के संरक्षक एवं पथप्रदर्शक, धर्मनिष्ठ, कर्मठ, वरिष्ठ बैंक यूनिशन नेता तथा समाजसेवा को समर्पित महापुरुष

स्व. श्री शीतला प्रसाद सिंह जी (जमींदार)
(30 मार्च 1946 - 31 जनवरी 2026)

दिनांक 31 जनवरी 2026 (शनिवार) को ईश्वर की इच्छा से पंचतत्व में विलीन होकर प्रभु के श्रीचरणों में समाहित हो गए।

उनका सम्पूर्ण जीवनकर्मत्व, सत्य, सेवा एवं परोपकार के आदर्शों पर आधारित रहा। उनका स्नेह, अनुशासन एवं आशीर्वाद हम सभी के लिए जीवनपथ का आलोकस्तम्भ रहेगा। दिवंगत पुण्यात्मा की शान्ति, सद्गति एवं आत्मिक कल्याण हेतु दशगन्त्र, तेरहवीं संस्कार एवं ब्राह्मण भोज निम्नलिखित तिथि, समय एवं स्थान पर आयोजित किया जा रहा है-

दशगन्त्र (दसवीं संस्कार): दिनांक : 10 फरवरी 2026 (मंगलवार)	तेरहवीं संस्कार एवं ब्राह्मण भोज: दिनांक : 13 फरवरी 2026 (शुक्रवार) समय : सायं 4:00 बजे से यथावसर	स्थान: विवेक निवास ग्राम - छताई कला, तहसील - शाहजहाँ, जिला - जौनपुर (शाहजहाँ तहसील से लगभग 15 किलोमीटर, औड़िया मोड़ के समीप)
---	---	--

आपसे सादर एवं करबद्ध प्रार्थना है कि उक्त शोकावसर पर अपनी पावन उपस्थिति प्रदान कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करें तथा शोकाकुल परिजनों को धैर्य एवं संबल प्रदान करें।

पार्थी
सत्येन्द्र सिंह - बबोती सिंह, नीतेन्द्र सिंह - सीतलमाता सिंह, अपर्णा सिंह - संदीप सिंह
अंशुमान सिंह, कार्तिक सिंह, नीरत्तम सिंह, संकल्प सिंह

प्रतिष्ठान
इंडियन कॉसिल ऑफ इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट। लीगल ड्रमोसॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड। तक्षक मैनेजमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
यूवी इंडिया ब्यूरो। उत्थान समिति

उत्तर प्रदेश बजट पर डॉ. बृजपाल त्यागी का हमला, स्वास्थ्य बजट को बताया अव्यावहारिक

अवेकनिंग इंडिया फाउंडेशन के चेयरमैन ने कहा - आंकड़ों से नहीं सुधरेगी जमीनी स्वास्थ्य व्यवस्था



गाजियाबाद, करंट क्राइम। अवेकिंग इंडिया फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. बृजपाल त्यागी ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर असंतोष जताते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र के प्रावधानों को अव्यावहारिक और जमीनी हकीकत से दूर बताया है। उन्होंने कहा कि 14

मेडिकल कॉलेजों के लिए मात्र 1023 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि गाजियाबाद में 200 बेड के एक युनानी अस्पताल पर ही लगभग 381 करोड़ रुपये की लागत आई है। ऐसे में इतने सीमित बजट में 14 मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का दावा व्यवहारिक नहीं लगता। डॉ. बृजपाल त्यागी ने मुफ्त इलाज के दावे पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि अस्पतालों में पर्याप्त स्टाफ, आधुनिक उपकरण और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं होगा तो मुफ्त इलाज केवल घोषणा बनकर रह जाएगा। उन्होंने राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति का खाला देते हुए कहा कि स्वास्थ्य पर न्यूनतम 2.5 प्रतिशत जीडीपी खर्च किए जाने की सिफारिश है, जबकि वर्तमान प्रावधान उस स्तर से काफी कम दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश को घोषणाओं का नहीं, बल्कि अस्पतालों की गुणवत्ता सुधारने, मेडिकल शिक्षा को मजबूत करने और आम नागरिक को सस्ता व सुलभ उपचार उपलब्ध कराने वाला व्यावहारिक बजट चाहिए।

साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में रॉन्ग साइड दौड़ती बसें बन रही हैं जानलेवा

पासपोर्ट कार्यालय में कार्यरत प्रसून मालवीय की कार क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचे



गाजियाबाद, करंट क्राइम : साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र में रॉन्ग साइड और तेज रफतार से दौड़ रही निजी व सरकारी बसें लगातार हादसों को दावत दे रही हैं। आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं में लोग घायल हो रहे हैं, जबकि प्रशासनिक कार्रवाई न के बराबर नजर आ रही है। ताजा मामला पासपोर्ट कार्यालय में कार्यरत प्रसून मालवीय से जुड़ा है, जिनकी कार को मेरठ नंबर की एक निजी बस ने रॉन्ग साइड से आकर टक्कर मार दी। हादसे में प्रसून मालवीय बाल-बाल बच गए, लेकिन उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। भारी वाहनों की अधिक आवाजाही के कारण यहां अक्सर जाम और ट्रैफिक अव्यवस्था बनी रहती है। औद्योगिक क्षेत्र के संगठनों से जुड़े लोगों ने बताया कि इस समस्या को लेकर परिवहन विभाग, रोडवेज प्रशासन और यातायात पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से कई बार शिकायत की जा चुकी है। मांग की गई है कि दिनभर

हत्याकांड में आरोपी को आजीवन कारावास और 30 हजार रुपए का जुमाना

नोएडा: बरोला गांव हत्याकांड में आरोपी को आजीवन कारावास और 30 हजार रुपए का जुमाना जमानत गौतमबुद्ध नगर के जिला शासकीय अधिवक्ता (क्राइम) ब्रह्मजीत भाटी ने बताया कि वर्ष 2018 में बरोला गांव में रहने वाले एक व्यक्ति की राहुल चौहान पुत्र मूलवंद ने हत्या कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया तथा उसके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दायर की गई। उन्होंने बताया कि मामले की सुनवाई जमानत गौतमबुद्ध नगर के जिला जज अतुल कुमार श्रीवास्तव की न्यायालय में चल रही है। उन्होंने बताया कि न्यायालय ने दोनों पक्षों के वकीलों की जरूरत सुनते तथा गवाहों के बयान के आधार पर आरोपी को दोषी पाया तथा बृहस्पतिवार को उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उसके ऊपर 30 हजार रुपए का अग्र दंड भी लगाया गया है। उन्होंने बताया कि अर्थ दंड जमा ना करने पर उसे एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतान होगा।

कागजी बजट में विकास केवल विज्ञापनों में दौड़ रहा: वीरेंद्र यादव

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। सभा महानगर अध्यक्ष एडवोकेट वीरेंद्र यादव ने उत्तर प्रदेश के बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट झूठ का पुल्लेंद्र है और आंकड़ों की बाजीगरी से ज्यदा इसमें कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक कागजी बजट है जिसमें विकास केवल विज्ञापनों में दौड़ रहा है।

वीरेंद्र यादव ने कहा कि बजट में जुआ और रॉन्ग साइड व नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। गौरतलब है कि पुलिस कमिश्नर ने ट्रैफिक पुलिस की संख्या लगातार बढ़ाई गई है। वर्तमान में करीब 1000 ट्रैफिक पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात हैं। डीसीपी ट्रैफिक की जिम्मेदारी एक आईपीएस अधिकारी संभाल रहे हैं, जबकि तीन एसपी स्तर के अधिकारी, एक दर्जन ट्रैफिक इंस्पेक्टर और बड़ी संख्या में अन्य पुलिसकर्मी व्यवस्था संभाल रहे हैं। इसके बावजूद रॉन्ग साइड चलने वाले वाहनों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पा रहा है, जो गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

